भारतीय त्रिमूर्ति–गाँधी, नेहरू एवं पटेल : तुलनात्मक अध्ययन

डॉ० कुमारी सरिता

सरदार वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व एवं विचारों का विवरण तथा विश्लेषण तब तक पूर्ण नहीं होता जब तक कि भारतीय त्रिमूर्ति–गाँधी, नेहरू एवं पटेल का तुलनात्मक अध्ययन और समीक्षा नहीं की जाए। यह कैसी विडम्बना है कि ये तीन महान त्रिमूर्ति भारत में उस कालखण्ड में अवतरित हुई जब भारत विदेशी पंजों से निकलने का संघर्ष कर रहा था और 'राष्ट्रवाद' की लहर तेजी पर थी। भारत का यह सौभाग्य था कि ये त्रिमूर्ति एक ही लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक साथ, एकजुट होकर स्वतंत्रता दिलाई। इस त्रिमूर्ति का जन्म भी लगभग एक ही जैसी राजनीतिक परिस्थिति में हुआ और इन तीनों की विचारधारा देश प्रेम से ओत–प्रोत थी। तीनों ही उस राजनीतिक दल से जुड़े हुए थे, जिसने भारत से ब्रिटिश साम्राज्यवाद को उखाड़ फेंका। इन तीनों का 'मानसिक गठन' एक समान था और तीनों ने भारत को भौतिक और बौद्धिक नेतृत्व प्रदान किया। राष्ट्र के प्रति, तीनों ही समर्पित थे। ये त्रिमूर्ति 'उदार लोकतंत्र' के पोषक थे और विलक्षण बुद्धि वाले नेता एवं विचारक थे।

परन्तु फिर भी ये त्रिमूर्ति अपनी कार्यशैली में एवं विचारों में एक दूसरे से पृथक् व्यक्तित्व भी रखते थे।